

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राचिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 135] नई विल्ली, बृहस्पतिवार, प्रगस्त 6, 1970/आवग 15, 1892

No. 135] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 6, 1970/SAVANA 15 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न बों जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 6th August 1970

SUBJECT:—Import Policy for Registered Exporters—Procedure for claiming replenishment under (Amendment No. 24.)

No. 117. ITC (PN)/70.—Attention is invited to paragraph 114(3)(1) of Chapter V of the ITC Hand Book of Rules and Procedure, 1970, published under the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 66-ITC(PN)/70, dated 4-5-1970, where various documents which have to be submitted along with applications for replenishment against the sales of handicraft items to foreign tourists have been listed.

The following shall be added after the words "foreign banks", in the 5th line of clause (c) of sub-para (i) of the above referred para.—

"foreign currency notes and coins, provided the seller of the handicraft items possessed an authorised money-changer's licence from the R.B.I."

2. Attention is further invited to para 117(i) of the above-referred Hand Book which lays down the procedure for claiming replenishment against sales to foreign tourists of gem and jewellery items. The last sentence of the said para which reads as "Foreign currency received in cash will not be recognised for these purposes", shall be deleted.

R. J. REBELLO,
Chief Controller of Imports and Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1970

विषय :—पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति—पुर्तपूर्ति के अन्तर्गत मांग के लिए विधि (संशोधन संख्या 24)।

सं० 117-आई० टी० सी० (पी० ए०) /70—विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 66-आई० टी० सी० (पी० ए०) /70 दिनांक 4-5-1970 के अन्तर्गत प्रकाशित नियम और कार्यविधि, 1970 के आई० टी० सी० हैंड बुक के प्रधायाय 5 के पारा 114 (3) (आई) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसमें विदेशी पर्यटकों को दम्तकारी मदों की बिक्री के लिए पुर्तपूर्ति के लिए आवेदन-पत्रों के भाय जमा किए जाने वाले विभिन्न प्रलेखों की सूची दी गई है।

ऊपर उल्लिखित पारा के उप-पारा (i) के खड़ की पंक्ति 5 में “विदेशी बैंकों” शब्दों के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

“विदेशी मुद्रा नोट और सिक्के, वर्णतेकि दम्तकारी मदों के बिक्रेता के पास आर० शी० आई० से प्राप्त प्राधिकृत मुद्रा-विनियम का लाइसस हो”।

2. आगे ऊपर उल्लिखित हैंड बुक के पारा 117 (i) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जो विदेशी पर्यटकों को रत्न और जवाहिरात की बिक्री के लिए पुर्तपूर्ति की मांग करने के सम्बन्ध में विधि निर्धारित करता है। उक्त पारा का अन्तिम वायर जिसे “विदेशी मुद्रा जो नकद प्राप्त की गई है, इस कार्य के लिए स्वीकृति नहीं होगी”, ऐसा पढ़ा जाता है, उसे निकाल दिया जाएगा।

आर० ज० रवेलो,
मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रण।